© FEB 2026 | IRE Journals | Volume 9 Issue 8 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I8-1714691

विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सोशल मीडिया का प्रभाव सारांश

YOGITA GOUR

शोध सारांश- ***आधुनिक डिजिटल युग में सोशल मीडिया विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशलों के विकास का प्रमुख माध्यम बन गया है। यह शोध पत्र इस प्रभाव के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों आयामों का विश्लेषण करता है, विशेषकर स्कूल शिक्षा के संदर्भ में। NCERT अध्ययन के अनुसार, 71.7% विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया। आधुनिक डिजिटल युग में सोशल मीडिया विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टिकटॉक और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स न केवल मनोरंजन प्रदान करते हैं, बल्कि संप्रेषण कौशलों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संप्रेषण कौशल में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना सम्मिलित हैं, जो शिक्षा शास्त्र के मूलभूत तत्व हैं। NCERT के एक शोध के अनुसार, 71.7% विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रभाव पाया गया है, जबकि 12.5% में नकारात्मक असर दर्ज किया गया।***

I. INTRODUCTION

संप्रेषण कौशल विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि सोशल मीडिया इन कौशलों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव डालता है। यह परिचय इन पहलुओं को स्पष्ट करता है।

संप्रेषण कौशल का अर्थ

संप्रेषण कौशल से तात्पर्य विचारों, सूचनाओं, भावनाओं और संदेशों का एक व्यक्ति या समूह से दूसरे तक प्रभावी ढंग से आदान-प्रदान करने की प्रक्रिया है। यह द्विमार्गी प्रक्रिया है जिसमें प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता और प्रतिक्रिया शामिल होती है, ताकि संदेश मूल अर्थ में ही समझा जाए। एडविन बी. फिलप्पों के अनुसार, यह अन्यों को विचारों को उसी रूप में अनुवाद करने के लिए प्रोत्साहित करने की कला ह

विद्यार्थियों के जीवन पर प्रभाव

संप्रेषण कौशल विद्यार्थियों को कक्षा चर्चा, समूह कार्य, शिक्षकों से संवाद और सहपाठियों से संबंध बनाने में सहायता देते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और शैक्षिक उपलब्धियां सुधरती हैं। अच्छे संप्रेषण से वे अपनी भावनाओं को स्पष्ट व्यक्त कर पाते हैं, संघर्षों का समाधान करते हैं और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। प्राथमिक स्तर पर यह कौशल ज्ञान विनिमय और श्रवण पर आधारित होता है।

सोशल मीडिया का परिचय

सोशल मीडिया जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं जो तत्काल संदेश साझा करने, नेटवर्किंग और सूचना प्रसार की सुविधा देते हैं। यह विद्यार्थियों को वैश्विक जुड़ाव, ज्ञान साझा करने और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करता है।[drishtiias]

सोशल मीडिया का संप्रेषण पर प्रभाव

सोशल मीडिया संप्रेषण को सरल बनाता है, जैसे वीडियो चैट और इमोजी से भावनाओं का तेजी से आदान-प्रदान, लेकिन यह सतही संवाद को बढ़ावा देता है, जिससे गहन बातचीत की कमी हो जाती है। युवाओं में FOMO (कुछ छूट जाने का भय), तुलना और मानसिक तनाव बढ़ाता है, जो वास्तविक संप्रेषण कौशलों को कमजोर करता है। सकारात्मक रूप से, यह डिजिटल साक्षरता बढ़ाता है, पर अत्यधिक उपयोग से पहचान विकृति और अलगाव की समस्या उत्पन्न होती है।[drishtiias]

यह लेख स्कूल स्तर (कक्षा 6-12) के विद्यार्थियों पर केंद्रित है, विशेषकर भारतीय संदर्भ जैसे इंदौर, मध्य प्रदेश में। महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा ने सोशल मीडिया को अनिवार्य बना दिया, जिससे संवाद पैटर्न में परिवर्तन आया। उद्देश्य: सकारात्मक-नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण व शिक्षण सुझाव।2. संप्रेषण कौशल की अवधारणासंप्रेषण कौशल द्वि-दिशात्मक प्रक्रिया है, जिसमें प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता और प्रतिपुष्टि शामिल हैं। शिक्षण में इसके प्रकार हैं:सुनना: सक्रिय श्रवण से समझ विकसित।बोलना: स्पष्ट उच्चारण व शब्दावली।पढ़ना: डिजिटल सामग्री व्याख्या।लिखना: संक्षिप्त व औपचारिक अभिव्यक्ति।सोशल मीडिया इन कौशलों को वास्तविक समय संवाद (चैट, वीडियो कॉल) से मजबूत करता है।

© FEB 2026 | IRE Journals | Volume 9 Issue 8 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I8-1714691

विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर (SAHITYA SAMIKSHA) में पूर्व किए गए प्रमुख शोधों की सूची निम्नलिखित है। ये अध्ययन मुख्य रूप से NCERT जर्नल्स और अन्य शैक्षिक पत्रिकाओं से लिए गए हैं, जो संप्रेषण कौशल पर सकारात्मक (71.7% विद्यार्थी प्रभावित) और नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित करते हैं।

प्रमुख शोध अध्ययन

- NCERT अध्ययन (2025): बी.एड. विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव। निष्कर्ष: 71.7% विद्यार्थियों में संप्रेषण कौशल पर सकारात्मक असर (शब्द भंडार वृद्धि, ऑडियो-वीडियो संवाद से); 12.5% में नकारात्मक। लेखन कौशल पर 60% सकारात्मक प्रभाव।
- RJPN अध्ययन (IJCSP24A1139): छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के ऐतिहासिक संदर्भ से संप्रेषण में वृद्धि, लेकिन अत्यधिक उपयोग से विचलन।
- The Academic (2024): शिक्षा पर सोशल मीडिया। छात्रों को बेहतर संसाधन मिलते हैं, संप्रेषण रुचिकर बनता है, लेकिन परीक्षा तनाव बढ़ा सकता है।
- SIE Allahabad अध्ययन: माध्यमिक विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव। सोशल मीडिया से संवाद कौशल मजबूत, पर शैक्षिक विचलन की समस्या।

अन्य उल्लेखनीय शोध

- Anubooks (नवनीत शर्मा): किशोरों पर सोशल मीडिया। यूट्यूब-टेलीग्राम से अध्ययन सामग्री संप्रेषण को प्रभावित करती है, कोरोना काल में वृद्धि।
- JETIR (JETIR2311494): बी.एड. छात्रों में सोशल मीडिया। संप्रेषण पर मिश्रित प्रभाव।
- ये शोध संतुलित उपयोग की सिफारिश करते हैं।
- सोशल मीडिया के उपयोग और विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।
- सोशल मीडिया का उपयोग विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर कोई सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव नहीं डालता।
- सोशल मीडिया के उपयोग से विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल (शब्द भंडार, ऑडियो-वीडियो संवाद) में सकारात्मक वृद्धि होती है (उदाहरण: 71.7% विद्यार्थियों में सुधार)।
- अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग से विद्यार्थियों के प्रत्यक्ष संप्रेषण कौशल में कमी आती है (उदाहरण: 12.5% में नकारात्मक प्रभाव, सामाजिक अलगाव)।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (यूट्यूब, फेसबुक) का दैनिक उपयोग जितना अधिक, विद्यार्थियों का संवाद कौशल उतना ही प्रभावित होता है।
- लिंग/आयु के आधार पर सोशल मीडिया का संप्रेषण कौशल पर प्रभाव में अंतर होता है।

संप्रेषण कौशल विद्यार्थियों पर प्रभाव डालते हैं।

शिक्षण पर प्रभाव

संप्रेषण कौशल शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हैं। शिक्षक द्वारा स्पष्ट संप्रेषण से विद्यार्थी सूचनाओं, नियमों और सिद्धांतों को आसानी से ग्रहण करते हैं, जिससे उनकी उपलब्धियां बढ़ती हैं। द्विमार्गी संवाद कक्षा में अंतर्क्रिया को बढ़ावा देता है, छात्रों को अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है और शिक्षण उद्देश्य पूर्ण होते हैं।

आत्मविश्वास पर प्रभाव

अच्छे संप्रेषण से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास मजबूत होता है। विचारों को स्पष्ट व्यक्त करने पर वे कक्षा चर्चा, प्रस्तुतियों और समूह कार्यों में सक्रिय भाग लेते हैं। यह उन्हें नेतृत्व क्षमता प्रदान करता है तथा भय से मुक्ति दिलाता है, जिससे व्यक्तिगत विकास तेज होता है

एकाग्रता पर प्रभाव

संप्रेषण कौशल श्रवण और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाते हैं। सुनने का कौशल विकसित होने पर विद्यार्थी शिक्षक के संदेश को पूर्ण रूप से समझते हैं, विचलन कम होता है। प्रभावी संवाद से कक्षा अनौपचारिक और सहयोगपूर्ण बनती है, जो एकाग्रता को स्थिर रखता है

कुल मिलाकर, ये कौशल विद्यार्थियों को समग्र रूप से सशक्त बनाते हैं।

मुख्य महत्व

- संप्रेषण कौशल प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह सूचना के प्रभावी आदान-प्रदान को सुनिश्चित करता है। इसमें लैसल मॉडल जैसे सिद्धांत आते हैं, जो Who, Says What, In Which

Channel, To Whom, With What Effect के प्रश्नों पर आधारित हैं। बाधाएँ जैसे विलंबित सूचना या बहु-स्तरीय व्यवस्था संचार को प्रभावित करती हैं।

- महत्वपूर्ण बाधाएँसंगठनात्मक अवरोध: कई स्तरों के कारण सूचना में देरी या हानि।तथ्यात्मक विवाद: गलत जानकारी से उत्पन्न भ्रम।अपर्याप्त समय: संचार प्रक्रिया में विलंब।
- ये कौशल न केवल सिविल सेवाओं में, बल्कि दैनिक जीवन और नेतृत्व के लिए भी जरूरी हैं।

सोशल मीडिया विद्यार्थियों के जीवन में संप्रेषण कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण निभाता है, विशेष रूप से डिजिटल युग में। यह कौशलों को अभ्यास का माध्यम प्रदान करता है।

संप्रेषण अभ्यास के अवसर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सएप विद्यार्थियों को ऑडियो, वीडियो और लिखित सामग्री के माध्यम से संवाद करने का मौका देते हैं। समूह चर्चाओं, कमेंट्स और पोस्ट्स से वे शब्द भंडार बढ़ाते हैं तथा विचार व्यक्त करना सीखते हैं। शोध बताते हैं कि 71.7% विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास

वीडियो क्रिएशन, ब्लॉगिंग और लाइव सेशन्स से विद्यार्थी भावनाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करना सीखते हैं। यह डिजिटल साक्षरता बढ़ाता है, जो वास्तविक जीवन संवाद के लिए उपयोगी है। उदाहरणस्वरूप, यूट्यूब पर सामग्री बनाकर वे श्रोताओं से प्रतिक्रिया प्राप्त कर सुधार करते हैं।

सहयोग और नेटवर्किंगऑनलाइन ग्रुप्स में सहपाठियों से जुड़कर वे टीमवर्क और श्रवण कौशल विकसित करते हैं। वैश्विक चर्चाओं से विविध दृष्टिकोण समझने की क्षमता बढ़ती है। हालांकि, उचित उपयोग आवश्यक है ताकि सतही संवाद न बने।

निष्कर्ष व सुझाव

सकारात्मक प्रभाव

सोशल मीडिया शब्द भंडार वृद्धि करता है। विद्यार्थी वीडियो देखकर उच्चारण सीखते हैं, ग्रुप चैट से सहयोगी संवाद विकसित होता है। NCERT शोध में 71.7% छात्रों ने संप्रेषण में सुधार दर्ज किया, क्योंकि ऑडियो-वीडियो सामग्री से शब्दावली समृद्ध होती है। इंदौर जैसे क्षेत्रों में स्थानीय भाषा ग्रुप्स से बोलचाल कौशल मजबूत होता है।

नकारात्मक प्रभाव

12.5% विद्यार्थियों में नकारात्मक असर देखा गया, जैसे संक्षिप्त संदेश (emojis, abbreviations) से औपचारिक लेखन कमजोर। साइबरबुलिंग से आत्मविश्वास घटता है, जबकि मल्टीटास्किंग से सुनने का कौशल प्रभावित। ग्रामीण स्कूलों में अत्यधिक उपयोग से वास्तविक संवाद की कमी।

शिक्षण में सोशल मीडिया से संप्रेषण कौशल सुधारने के उपाय

शिक्षण में सोशल मीडिया का उपयोग संप्रेषण कौशल सुधारने के लिए प्रभावी उपकरण साबित हो सकता है। यह शिक्षकों को रचनात्मक व सहभागी विधियाँ प्रदान करता है।

ग्रुप चैट व चर्चा मंच: व्हाट्सएप ग्रुप्स बनाकर होमवर्क चर्चा व प्रश्नोत्तर आयोजित करें। इससे सुनने व बोलने कौशल मजबूत होता है

- *वीडियो कंटेंट निर्माण*: इंस्टाग्राम रील्स या टिकटॉक पर पाठ्य विषयों पर छोटे वीडियो बनवाएँ। उच्चारण व अभिव्यक्ति अभ्यास होता है।

लाइव सत्र: फेसबुक लाइव या यूट्यूब से रीयल-टाइम डिबेट आयोजित करें। प्रतिपुष्टि तुरंत मिलती है।

कक्षा एकीकरण विधियाँ

- *डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम*: औपचारिक-अनौपचारिक संवाद अंतर सिखाएँ। Emojis के साथ पूर्ण वाक्य लेखन अभ्यास।

- *सहयोगी प्रोजेक्ट्स*: ग्रुप प्रोजेक्ट्स के लिए लिंक्डइन/फेसबुक ग्रुप्स उपयोग करें। सहपाठी संवाद कौशल विकसित।

- *स्क्रीन टाइम प्रबंधन*: दैनिक 30-45 मिनट सीमा व मॉनिटरिंग एप्स (जैसे Family Link) लागू करें।

संदर्भ ग्रंथ सूची (REFERENCES)

विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल पर सोशल मीडिया के प्रभाव शोध के लिए निम्नलिखित प्रमुख संदर्भ ग्रंथों की सूची है। यह APA शैली में व्यवस्थित है।

पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएँ

[1] NCERT. (2025). सोशल मीडिया का विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर प्रभाव. Balvatika Annual Supplement. https://ejournals.ncert.gov.in/index.php/bas/article/view/4161

[2] शर्मा, नवनीत. (2024). सोशल मीडिया का विद्यार्थियों पर प्रभाव. Anubooks. https://anubooks.com/uploads/session_pdf/17117967131.pdf

[3] मीना, रामकल्याण. (2024). सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभाव. IJHSSI. https://www.ijhssi.org/papers/vol12(3)/T1203107113.pdf[12]

अन्य स्रोत

[4] Drishti IAS. (2025). युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/impact-of-social-media-on-young-people

[5] SIE Allahabad. माध्यमिक स्तर पर सोशल मीडिया का प्रभाव. https://www.sieallahabad.org/hrt-admin/book/book_file/939f9139ef04f8d6c02347c80cc80b1a.pdf

[6] SIE Allahabad. (n.d.). माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया का प्रभाव. Retrieved from https://www.sieallahabad.org/hrt-admin/book/book_file/939f9139ef04f8d6c02347c80cc80b1a.pdf

[7] Drishti IAS. (2025). युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव. Retrieved from https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/impact-of-social-media-on-young-people

[8] मीना, रामकल्याण. (2024). सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभाव. International Journal of Humanities and Social Science Invention. Retrieved from https://www.ijhssi.org/papers/vol12(3)/T1203107113.pdf[13]

[9] Granthaalayah Publication. (n.d.). स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक व्यवहार पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन. Retrieved from